

रिश्वतखोरी पर लगाम ज़रूरी था

कभी रहते रहे होंगे इमानदार नेता लेकिन क्या आज कोई कल्पना कर सकता है कि कोई भी ऐसा नेता ऐसा हो सकता है जो भ्रष्टाचार व रिश्वतखोरी में लिप्त न हो। शायद सुप्रीम कोर्ट ने भी इस वेदना को समझा और स्पष्ट कह दिया कि अब कोई भी सांसद या विधायक रिश्वत लेकर सदन में सवाल पूछता या किसी पार्टी के पक्ष में मतदान करता है, तो उस पर भ्रष्टाचार का मामला बनता है। भ्रष्टाचार का मामला उस पर उसी समय बन जाता है, जब वह रिश्वत लेता है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी लगभग पच्चीस साल पुराने एक फैसले में आई है। कोर्ट ने वह फैसला भी पलट दिया है जिसमें सांसदों या विधायकों के ऐसे मामलों में उन्हें मुकदमों से छूट मिली हुई थी। दुर्भाग्य से यह छूट उन्हें विशेषाधिकार के तहत मिली हुई थी। अखिर कौन नहीं जानता कि सांसद व विधायक पैसा लेकर दूसरी पार्टी के पक्ष में बोट करने या अनुपस्थित रहने या पैसा लेकर प्रश्न पूछने और बहुत हद तक दल बदलने के मामलों में तनिक भी संकोच नहीं करते थे। सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश से सांसदों या विधायकों का मुकदमों से बचना अब मुश्किल हो जाएगा। बता दें कि पच्चीस साल पहले इसी कोर्ट की एक बेंच ने इन नेताओं को कदाचार व भ्रष्टाचार से ऊपर मान लिया था जिसकी वजह से उन्हें यह विशेष छूट दी गई थी, लेकिन ताजा फैसले से यह छूट समाप्त हो गई है। काफी हद तक यह फैसला सही भी है। जब आम आदमीया कर्मचारी को इस तरह की कोई छूट नहीं मिली है तो नेताओं यानी सांसदों और विधायकों को इस तरह की छूट दिए जाने का औचित्य समझ से परे था। इसी का फायदा उठाते हुए कई सांसद व विधायक पैसा लेकर संसद में प्रश्न पूछते आरे रहे थे। इसका कई बार खुलासा भी हो चुका है। कुछ मामलों में तो सांसद वर्खास्त तक किए गए, जबकि कुछ मामलों में वे बच भी गए। यह भी सही है कि पैसा लेकर दूसरी पार्टी के पक्ष में बोट देने के मामले अक्सर छिप जाते हैं, क्योंकि इसके लिए इन नेताओं की अंतरात्मा जाग उठती है और वे अपनी सरकार के ही खिलाप वोटिंग कर बैठते हैं। अंतरात्मा की आवाज पर बोट देने वाले माननीयों की करतूतें भी उजागर नहीं हो पाती हैं। लेकिन आम लोगों की अंतरात्मा को पता चल जाता है कि बिकाऊ माननीयों की असलियत क्या है? बहरहाल, ऐसे लोगों को

खिलाफ कोइ सबूत नहीं छोड़ जाते इसलिए वे आसाना से बच निकलते हैं। अभी तक ऐसा करने वाले विधायक और सांसद ऐसे आरोपों में कानूनी कार्रवाई से इसलिए बच कर निकल जाते रहे हैं कि संविधान के अनुच्छेद 105/194 में कहा गया है कि जनप्रतिनिधियों के सदन में कहीं गई किसी बात या किए गए किसी आचरण के खिलाफ अदालत में कार्रवाई नहीं हो सकती। सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि यह अनुच्छेद पूरे सदन की सुरक्षा के मकसद से बनाया गया है, न कि किसी एक जनप्रतिनिधि की सुरक्षा के लिए। मामला झारखण्ड मुक्ति मोर्चा की एक नेता से जुड़ा हुआ था, जिस पर आरोप था कि 2012 में उसने रिश्वत लेकर राज्यसभा चुनाव में दूसरे दल के प्रत्याशी के पक्ष में मतदान किया था। इस मामले में नरसिंहा राव बनाम भारत सरकार के मामले में आए फैसले की नजीर देते हुए आरोपी को बरी करने की गुहार लगाई गई थी। मगर सर्वोच्च न्यायालय ने उस पुराने फैसले को भी अमान्य करार दे दिया। अब सुप्रीम कोर्ट के इस कडे निर्णय से कुछ हद तक उम्मीद तो बंधी है कि सांसदों और विधायकों की रिश्वतखोरी पर रोक लग सकेगी। बहरहाल, राजनीति में नैतिकता लाने की कोशिशों की दिशा में कोर्ट का यह फैसला मील का पथर साबित होगा। यह भी संभव है कि कुछ नेताओं को यह निर्णय ठीक न लगा होगा, लेकिन राजनीति में भ्रष्टाचार को खत्म करने या कम करने की दिशा में यह निर्णय एक मिसाल तो बनेगा ही। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह दलबदल कानून के भीतर से गली निकाल कर सरकारे गिराने और विधायकों के दूसरे दल की सरकार में शामिल हो जाने की घटनाएं बढ़ी हैं, रिश्वत लेकर राज्यसभा चुनाव में दूसरे दल के प्रत्याशी के पक्ष में मतदान के मामले बढ़े हैं, उसमें सर्वोच्च न्यायालय का यह फैसला ऐतिहासिक माना जाएगा। पचीस साल से जिस सुविधा को हमारे माननीय सांसद-विधायक भोग रहे थे अब वह पूरी तरह बंद हो जाएगी। स्वच्छ राजनीति के लिए यह ज़रूरी भी था। आखिर संसदीय विशेषाधिकार के तहत किसी नेता को रिश्वतखोरी की छूट कैसे और क्यों दी जानी चाहिए? यह यक्षप्रश्न अब तक किसी के समझ में क्यों नहीं आ सका?

मंत्र प्रसन्नता का

“सत चिद
आ नं द ,
सच्च दा नं द ,
यानी सत्य से
भरे मन में
आनंद का वास
होता है, खुशी
का निवास होता
है और संतोष
का स्थान होता है।” “क्या बात है,
बहुत खुश हो। प्रफुल्लित हो गाना
गा रहे हो?” “पिछले साल हमारा
देश खुशहाल देशों की सूची में
139 वां रहा। जबकि आज इस बार
हम 136 वें स्थान पर पहुंचे हैं।”
“इसे आप बेहतरीन कहते हैं?
ठीक है। इस सूची में पहले 10
स्थानों पर जो देश हैं, इन्हें खुश
और प्रसन्न कैसे हैं?” “इसमें बड़ी
बात क्या है? वे देश कभी युद्ध की
तरफ नहीं जाते। कोविड-19 के
महामारी के विध्वंस को भी बड़ी
चुतुराई और कुशलता के साथ
संभाला और जल्दी बाहर आ गए।
प्रगति पथ पर वे आगे बढ़ते गए।
कुल 146 देशों में यह अध्ययन
किया गया। दशाविद्यों से बंदूकें,
बम के शोरगुल से हंगामा मचाता
अफगानिस्तान खुशी और प्रसन्नता
से कोसों दूर है। इसलिए सबसे
अंतिम स्थान पर है। कुछ भी हो
पहली श्रेणी में जो 10 देश हैं,
उनकी तुलना में हमारे जीवन सुख
और संतोष से दूर हैं- यह कहने में
मुझे कोई हिचक नहीं।” “सुख और
संतोष..... बड़े अच्छे शब्दों का
इस्तेमाल करके तुमने मुझे
असमंजस में डाल दिया। महंगाई
आसमान पर, प्रदूषण वातावरण में
- ऐसी स्थिति में जीना भारी हो गया
है और सच कहा जाए तो नक्क की
यातना भुगतने जैसी हालत हो गई
है।” “अरे क्या याद दिला दिया



मनाज कुमार अग्रवाल

यत्र नारी पूज्यन्ते वाले देश की हकीकत ?

विषयात् होती वैदिक स्थानवी पाठ्याचारं | खेत-खेती और सेहत पर भारी पड़ता

विस्मृत होती वैदिक, सनातनी परंपराएं



ਸਾਂਜੀਵ ਠਾਕੁੰ

बद कर लटक रहे हैं। भारतीय वैदिक, सनातनी संस्कृति हमें अपने भारतीय होने का एहसास कराती है। जो हमें विश्व के अन्य देशों से विकास की दौड़ में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। भारत में अनेक परंपराएं ऐसी हैं जो सामाजिक जीवन को अधिक सभ्य एवं अच्छा इंसान बनाए रखने में योगदान देती है। जिनसे मनुष्यता का जीवन जीने की प्रेरणा भी मिलती है। यांत्रिक उपकरणों की तरह जिंदगी जीना भी कोई जीना है। यह भारतीय संस्कृति में पाश्चात्य का घालमेल ही है जो मनुष्य के जीवन को यंत्रवत बना देता है। जो आने वाले कल के लिए घातक भी हो सकती है। वहाँ दूसरी ओर पाश्चात्य दर्शन की कुछ विशेषताएं भी हैं, जो हमारे विचारों को अधिक तार्किक तथा बौद्धिक बनाती है। जिससे हम अपना जीवन कार्तिक तथा बौद्धिक बना सकते हैं। जिन्हें हम अपने जीवन में क्रियान्वित कर अपने मनुष्य जाति के जीवन को अधिक सार्थक एवं सुलभ बना सकते हैं।

निसदह हम रुद्धावादा या एकदम पुरातन पंथी संस्कृति से लगाव न रखकर पाश्चात्य संस्कृति के जो फायदे हैं, उन्हें अपनाकर अपना जीवन सरल सार्थक एवं सुगम बना सकते हैं। परंतु आज वर्तमान में हमने पश्चिम दर्शन से खोखला आधुनिकवाद ओढ़ लिया है, हम ना अत्यंत आधुनिक ही हो सके हैं और ना ही सही-सही संस्कारित परंपरावादी ही बन पाए हैं हम हम पाश्चात्य दर्शन और भारतीय संस्कार और परंपरा के बीच त्रिशंकु बन कर झूल रहे हैं। विवेकानन्द जी ने कहा है कि वीणा के तार को इतना भी ना कसो कि वह टूट जाए, और इतना भी ढीला छोड़ो कि वह बज भी ना पाए, मूलतः हमें दोनों संस्कृतियों की समग्र अच्छाइयों को आत्मसात कर उनकी बुराइयों को त्यागना होगा तब ही जीवन सफल हो जाएगा। आपनी गुणवत्ति शामान्य प्राप्त है। का चुनात दिन का प्रयास किया जा रहा हा ऐसे में धार्मिक संस्कृति तथा आध्यात्मिकता को आवश्यकता से अधिक महत्व एवं परंपरा में लाना प्रासंगिक एवं तार्किक होगा। निसेंदह नहीं।

पाश्चात्य दर्शन भौतिकता प्रधान एवं वैज्ञानिक संस्कृति है। भौतिकता प्रधान युग से तात्पर्य ऐसी परंपरा जो यथार्थवादी दृष्टिकोण को सर्वाधिक महत्व देती है। वैसे ही भौतिकता का सामान्य मतलब इंद्रिय बोध से साक्षात् संबंध रखने वाली वस्तु से है, अर्थात् जो वास्तविकता है एवं यथार्थ है वही पाश्चात्य संस्कृति को इसलिए भी वैज्ञानिक एवं वस्तु परख माना जाता है क्योंकि इसमें सूक्ष्म जांच पड़ताल कर वस्तु स्थिति का सही मूल्यांकन अपनाकर एक सामान्य सिद्धांत एवं नियम बनाया जाता है। नियासे विद्या नीं बातें जो अब उन्मुक्त होकर शाक्षत होकर समाज में सफल होकर पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर व्यवसायिक दृष्टिकोण अपनाकर बड़े-बड़े पदों में कार्य कर रही हैं।

समाज में खुलापन भी आ गया है। विकास रोजगार एवं मानवीय सोच में भी काफी विस्तार आया है, जो विश्व की सभ्यताओं में आज मौजूद है, जो भारत के विकास में सहायक भी हैं। कुल मिलाकर बात यह है कि हमें आध्यात्मिक भारतीय परंपरा संस्कृति तथा पाश्चात्य दर्शन तथा पाश्चात्य संस्कृति की सकारात्मक बातें आत्मसात कर विकास की एक नई राह खोजनी होगी, एवं सदैव अच्छी बातों के लिए अपने मस्तिष्क को खुला रखना होगा और पाश्चात्य संस्कृति की विसंगतियों को दूर रख भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देना चाहिए।

देश में उर्वरकों की खपत का विश्लेषण किया जाए तो केन्द्र शासित प्रदेशों सहित 797 जिलों में से केवल ओर केवल 292 जिलों में ही देश में उर्वरकों की कुल खपत की 83 फीसदी उर्वरकों की खपत हो रही है। यह अपने आप में गंभीर है। ऐसा नहीं है कि सरकार इसे लेकर गंभीर नहीं है अपितु सरकार ने उर्वरकों के अत्यधिक प्रयोग से होने वाले दुष्प्रभावों को देखते हुए ही 2004 में यूरिया के अत्यधिक उपयोग से होने वाले दुष्प्रभाव के अध्ययन के लिए सोसायटी फॉर कंजर्वेशन असेंफ नेचर की स्थापना की। दुनिया की सहकारी क्षेत्र की फीसदी भूमि बंजर होने की कागार पर पहुंचने लगी है। यह आंकड़ा कोई हवा हवाई नहीं होकर सेंटर फॉर साइंस एण्ड एनवायरमेंट की रिपोर्ट के अनुसार है। पंजाब, हरियाणा सहित कई प्रदेशों में कृषि उपज की सेचुरेशन वाले हालात हमारे सामने हैं। इसके साथ ही रासायनिक उर्वरकों और जहरीले कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग का परिणाम जानलेवा कैंसर रोग का फैलाव सामने है। आज पंजाब और उससे लगते हिस्सों में कैंसर आम होता जा रहा है। दरअसल औद्योगिक क्रांति की शुरुआत के साथ ही दुनिया के देशों में रासायनिक उर्वरकों का

सकागानारायण संस्कृत अव्याख्यन प्रवान है। बनाया जाता है। जिससे नामव्य का बातों का वाहर है।

कवरा लेखन

“ ले ख क
महोदय ! आपके
अनुभव और
पहुँच के चलते
इस बार विश्व
पुस्तक मेले में
आपकी बड़ी
धूम रही। जितनी बार साँसें नहीं लीं
उतनी बार तो आपने पुस्तकों का
लोकार्पण कर दिया। जहाँ देखिए

कहा – “पिछली बार की तुलना में
इस बार इतनी किताबें मिली हैं कि
घर में उन्हें रखने भर की जगह नहीं
है। इसलिए किताबें बरामदे में कूड़े
की तरह रख डाली हैं। सूखे कूड़े की
तरह सूखी किताबें, गीले कूड़े की
तरह गीली किताबें अलग करने का

कुछ इधर-उधर कर उसे अपनी
रचना बना सकता था लेकिन मैंने
ऐसा नहीं किया। कम से कम इतना
तो विश्वास कीजिए।” – मैंने
गिड़गिड़ाते हुए कहा। “कौपीं कर भी
लेते तो क्या कर लेते। यहाँ लोग
कंटेट नहीं नाम देखकर किताबें

और सड़ेंगी। कुछ दिनों के बाद यह
एक अच्छी खाद बन जाएगी। तब
देखना एकदम ऑर्गानिक साग-
सब्जी, फल-फूल उगाऊँगा। इस
तरह कंपोस्ट की गई खाद से फालतू
लेखकों का कचरा लेखन मिट
जाएगा। भू जल, ध्वनि, वायु
प्रदूषण के बाद कचरा लेखन प्रदूषण
बड़ा जानलेवा होता जा रहा है। इस
तरह के खाद निर्माण से कई पाठकों की जान
नहीं हो पा रहा है। आज पंच

उवरक उपादक सहकारा सामाजिक
इफको द्वारा नैनो उर्वरक तैयार
कर उनकी उपलब्धता व उपयोग
बढ़ाने के प्रयास इसी दिशा में
बढ़ते प्रयासों में से एक माना जा
सकता है। रसायनिक उर्वरकों के
संतुलित उपयोग के लिए केन्द्र व
राज्यों के कृषि मंत्रालयों द्वारा
सावधान किया जाता रहा, पर यह
नाकाफी होने के साथ ही सही
मायने में प्रभावी तरीके से
अवेयरनेस कार्यक्रमों का संचालन
नहीं हो पा रहा है। आज पंच

उपयोग तजा से बढ़ा है। खाद्यान्न
संकट से निपटने और यों कहें कि
कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए
रसायनिक उर्वरक बेहतर विकल्प
के रूप में सामने आये। इसमें भी
कोई दो राय नहीं कि कृषि
उत्पादन बढ़ाने के कारण ही आज
दुनिया के देश खाद्यान्न संकट से
मुकाबला करने की स्थिति में आ
सके हैं। हांलाकि अब लगभग
सभी देशों व विशेषज्ञों द्वारा
रसायनिक उर्वरकों और
कीटनाशकों के उपयोग को शनैः

वहाँ आप हा आप छाए हुए था। मधुमक्खी के छते की तरह फोटो खिंचवाने की लेखकों में बड़ी चुल मची थी। पता ही नहीं चल रहा था कि लेखक कौन है और उसके रिश्तेदार कौन है? एक सप्ताह-दस दिन गुजर जाने के बाद लेखक खुद को उन फोटो में हूँड़ने में गच्छ खा जाएगा। यह सब छोड़िए। यह बताइए इतनी सारी पुस्तकें घर ले आए हैं, इनका क्या करेंगे? — मैंने पूछा। पहुँचे हुए लेखक थे। सो उन्होंने एक लंबी साँस छोड़ते हुए समय नहीं मिला। कोइ बात नहीं है। इस बार मैंने एक बढ़िया उपाय हूँड़ निकाला है। “उपाय? कैसा उपाय?” मैंने आश्चर्य से पूछा। “उपाय बता तो देता। डर है कहीं तुम किसी को बता न दो। पहले मैं इस उपाय का कॉपीराइट करवाऊँगा। फिर किसी को बताऊँगा।” लेखन ने संदेह की नजर से मेरी ओर देखा। “आपको मुझ पर इतना भी विश्वास नहीं है। मैंने कितनी सारी आपकी रचनाओं का टंकण किया है। चाहता तो उसमें खरीदते हैं। तुम्हारे जैसों की काइ किताब अपने पास रखकर अपनी भद्र थोड़े न पिटवायाएगा।” लेखक ने चिढ़ाते हुए कहा। “बात तो आपकी बिल्कुल सही है। यह सब छोड़िए। उपाय बताइए। मैं किसी को नहीं बताऊँगा।” — उत्सुकतावश पनः पूछने लगा। “ठीक है! ठीक है! बताता हूँ। इस बार मैं इन पुस्तकों की कंपोसिटिंग खाद बनाऊँगा। इसके लिए सबसे पहले एक गड्ढा खोदूँगा। उसमें इन किताबों फेंक दूँगा। उसी में वे सुखेंगी, गतेंगी बच्चे जा सकता हा।” लालकन इस तरह का खाद से आपके और आपके परिवार की जान को खतरा हो सकता है। उसका क्या? ”
“खतरा? कैसा खतरा?”
“इस तरह की खाद से उगाई गई खाद्य सामग्री के सेवन से दस्त, उल्टियाँ और कभी-कभी जान भी जा सकती है। जान गई तो कोई बात नहीं है। बताता हूँ। पागल बन गए तो दूसरों की जानमाल को खतरा हो सकता है।”
इतना सुनना था कि पहुँचे हुए लेखक मोबाइल निकालकर रद्दीवाले को फोन लगाने लगे। नदियों के प्रदेश में तेजी से जल स्तर कम होता जा रहा है। पंजाब के लोग ही पंजाब में उत्पादित गेहूँ को अन्य प्रदेशों में खाने और दूसरे प्रदेशों से गेहूँ मंगाकर उपयोग में लेने लगे हैं। इसी तरह से देष में कैंसर के सर्वाधिक मामले पंजाब से आ रहे हैं। रासायनिक उर्वरक और जहरीले कीटनाशक इसके प्रमुख कारण किसी से अनजाने नहीं हैं। हो यह रहा है कि उर्वरकों के कारण मिट्टी के खेती में सहायक कीट नष्ट हो शनैः कम करने पर जोर दे रहे हैं। परंपरागत और जैविक खेती पर बल दिया जा रहा है। भारत में भी जैविक खेती पर बल दिया जा रहा है और 20 राज्यों में जैविक नीति लागू करने की पहल की है। खासतौर से उत्तर पूर्वी राज्यों को तो शतप्रतिशत जैविक खेती वाले प्रदेश बनाया जा रहा है। दुनिया के देशों में जहाँ भूटान जैविक खेती प्रदान देश है वहाँ दुनिया में हमारा सिक्किम जैविक खेती के मामले में अव्वल नंबर पर है।



5

ਕਹਾਂ ਲੇਖਣ



डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

 रा सा यनि क
उर्वरकों और
कीटनाशकों का
उपयोग खेत,
खेती और सेहत
पर भारी पड़े
जाते हैं वहीं रासायनिक उर्वरक
वर्षा आदि में बह कर नदी आदि
प्राकृतिक जल स्रोतों को भी
प्रदूषित कर देते हैं। रासायनिक
उर्वरकों और कीटनाशकों के
अत्यधिक उपयोग से तैयार फसल
में अतिरिक्त गोबर की जांच की

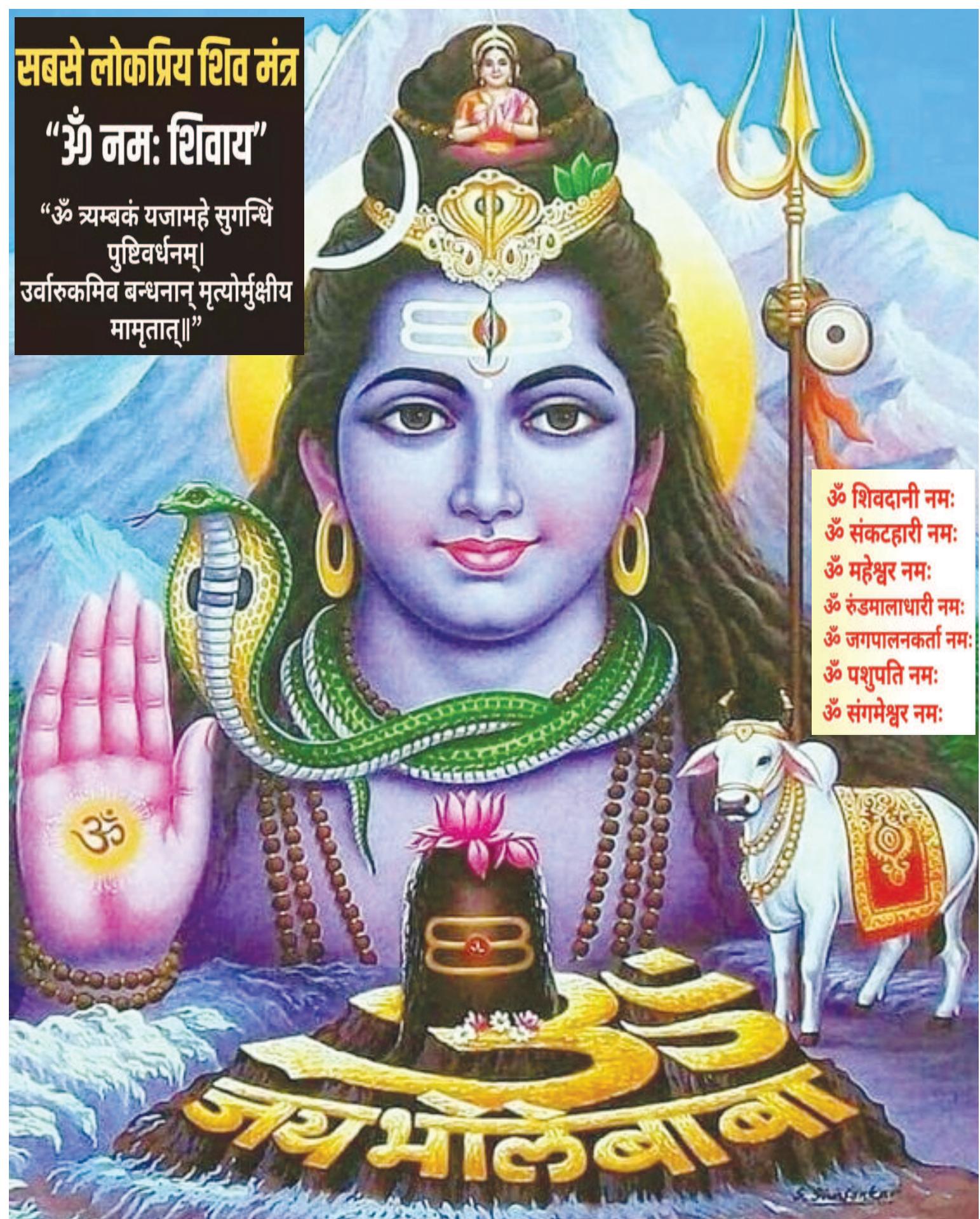
**खेत, खेती और सेहत पर भारी पड़ता
रासायनिक उर्वरकों को अधिक उपयोग**



ਸਥਾਨੇ ਲੋਕਪਿਆ ਦਿਵ ਮੰਤ੍ਰ

“ॐ नमः शिवाय”

“ॐ ऋष्म्बकं यजामहे सुगन्धिं
पुष्टिवर्धनम्।
उर्वारुकमिव बन्धनान् मृत्योर्मुक्षीय
मामृतात्॥”



शिव, शिवरात्रि और जागरण का आध्यात्मिक रहस्य

हमारे देश में शिवरात्रि का पर्व हर वर्ष मनाया जाता है। इस दिन शिवभक्त, शिव मंदिरों में जाकर शिवलिंग पर लोटी, बेल-पत्र आदि चढ़ाते, पूजन करते, उपवास करते तथा रात्रि को जागरण करते हैं। शिवरात्रि को सार्थक बनाने के लिए यह जानना अत्यावश्यक है कि, शिव कौन है तथा उनकी रात्रि क्यों मनाते हैं? परमात्मा शिव के ऊपर बेल-पत्र चढ़ाना, उपवास तथा रात्रि जागरण करना, एक विशेष कर्म की ओर इंगित करता है क्योंकि जो कर्मकाण्ड मनुष्यों द्वारा किये जाते हैं उनके पीछे आध्यात्मक रहस्य समाया होता है, जिसमें समूची मानवजाति तथा व्यक्तिगत स्तर पर मनुष्य के हित और अनहित की कड़ी निहित होती है। आज के सन्दर्भ में केवल आडम्बर और परम्परायें ही रह गये हैं। इसलिए आवश्यकता है कि इस महान पर्व के महत्व तथा इसके आध्यात्मिक यादगार को अच्छी तरह से जान-पहचानकर अपने जीवन में धारण करें।

भारत के कोने-कोने में शिव के लाखों मन्दिर हैं जिनमें शिव प्रतिमा 'शिवलिंग' के रूप में पाई जाती है। कश्मीर में अमरनाथ, गुजरात के सौराष्ट्र में सोमनाथ, वाराणसी में विश्वनाथ, उज्जैन में महाकालेश्वर तथा नेपाल में पशुपतिनाथ के रूप में प्रसिद्ध शिव के मन्दिर हैं। इन शिवालयों के नाम परमात्मा के दिव्य कर्तव्यों के परिचायक हैं जिनसे संकेत मिलता है कि शिव ही परमात्मा है।

कहा जाता है कि, दक्षिण भारत तमिलनाडू में रामेश्वर के स्थान पर श्रीराम ने तथा वृद्धावन में गोपेश्वर के स्थान पर श्रीकृष्ण ने भी शिव का पूजन किया था। यह वृत्तान्त भी इस सत्यता के द्योतक है कि शिव ही देवों

के देव एवं श्रीराम और श्रीकृष्ण के भी परमपिता परमात्मा है। शिव की प्रतिमा का शिवलिंग के रूप में दिखाया जाना सिद्ध करता है कि परमात्मा निराकार है जिसका देवी-देवताओं जैसा कोई साकार पुल्लिंग अथवा स्त्रीलिंग का स्वरूप नहीं ज्योतिर्लिंग निराकार स्वरूप है। इसलिए भारत के 12 सुप्रसिद्ध शिवालयों को ‘ज्योतिर्लिंगम मठ’ कहा जाता है। ब्रह्मा, विष्णु एवं शंकर तीन सूक्ष्म व आकारी के भी रचयिता होने के कारण निराकार परमेश्वर शिव को ‘त्रिमूर्ति’ भी कहते हैं। शिवलिंग पर जो तीन लकीरों वाली त्रिपुण्डी होती है वह शिव परमात्मा के

त्रिमूर्ति, त्रिनेत्री, त्रिकालदर्शी एवं त्रिलोकीनाथ होने का प्रतीक है। शिव को 'शम्भु' अर्थात् 'स्वयं भू' तथा 'सदाशिव' भी कहा जाता है जिसका अर्थ है कि शिव ही परमात्मा है जिसका कोई रचयिता नहीं। शिव का शाब्दिक अर्थ ही है 'कल्याणकारी'। परमात्मा शिव ही पावन मनुष्य सृष्टि की स्थापना, पालना तथा पुरानी पतित सृष्टि से सर्व बुराईयों के विनाश के अपने तीन दिव्य कर्तव्यों द्वारा मनुष्य मात्र कल्याण करते हैं अर्थात् सर्व को गति, सद्गति प्रदान करते हैं। इससे भी सिद्ध होता है कि शिव ही परमात्मा है।

विचार की बात है कि जब सभी शरीरधारी देवताओं, महात्माओं और आदि के स्मृति दिवस, जन्मदिन के रूप में मनाये जाते हैं तो फिर शिव को ही 'रात्रि' क्यों मनाते हैं। उदाहरणार्थ, श्रीकृष्ण के जन्म का समय मध्य रात्रि माना जाता है तो भी जन्माष्टमी को श्रीकृष्ण का जन्मदिन ही कहेंगे। केवल शिव की ही 'रात्रि' मनाते हैं। इसका तात्पर्य क्या है? वास्तव में, शिवरात्रि का परम पर्व स्वयं परमपिता परमेश्वर के सृष्टि पर अवतरित होने की स्मृति है।

दिलाता है।
यहां 'रात्रि' शब्द अज्ञान-अन्धकार से होनेवाले नैतिक पतन का द्योतक है। परमात्मा ही ज्ञान का सागर है जो मानव मात्र को सत्य ज्ञान द्वारा अन्धकार से प्रकाश की ओर अथवा असत्य से सत्य की ओर ले जाते हैं। भगवानुवाच है कि जब सृष्टि पर अति धर्मगलानि हो जाती है तब मैं परमात्मा स्वयं अवतरित होकर अधर्म का विनाश एवं सत्यधर्म की पुनर्स्थापना करके पतित आसुरी गणि को पातन दैत्यी गणि बनाता है।

सृष्टि का पावन दवा सृष्टि बनाता हू।
 प्रश्न उठता है कि परमात्मा शिव सृष्टि चक्र में अपना यह दिव्य, अलौकिक कार्य कब और कैसे करते हैं? विचार करेंगे तो स्पष्ट प्रतीत होगा कि परमात्मा शिव द्वारा स्थापना, पालना, विनाश का यह कर्तव्य सृष्टि चक्र में कलियुग-अन्त, सत्ययुग-आदि के संधि काल अथवा 'संगम' के समय ही चलता है क्योंकि सारे चक्र में यही समय विश्व नवनिर्माण का सिद्ध होता है। इस समय परमात्मा शिव प्रजापिता ब्रह्मा के भाग्यशाली शरीर रूपी रथ(भागीरथ) में अवतरित होकर सत्ययुगी दैवी सृष्टि की स्थापना हेतु ईश्वरीय सत्य ज्ञान सुनाते हैं। परमेश्वर

या परमात्मा साधारण मनुष्यों की तरह माता के गर्भ से जन्म नहीं लेते बल्कि अपने महावाक्यों नुसार प्रकृति को अधीन करके ब्रह्मा तन में प्रवेश करके 'दिव्य जन्म' लेते हैं अर्थात् अवतरित होते हैं। परमात्मा के अवतरण के बारे में गीता में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि परमात्मा जन्म-मरण और पाप-पुण्य आदि कर्मों से परे हैं। जो मनुष्य जिस रूप से उनकी पूजा करता है उसकी उसी रूप में इच्छा पूर्ति करता है।

आज जबकि सृष्टि पर पुनः भ्रष्टाचार, अनाचार एवं अत्याचार सर्वत्र फैल चुका है और चारों ओर नैतिकता का पतन अपनी चरम सीमा को प्राप्त हो चुका है तो परमेश्वर शिव मनुष्य मात्र को अज्ञान-निदा से जागृत करने के लिए पुनः प्रजापिता ब्रह्मा-वत्सों (ब्रह्माकुमार एवं ब्रह्माकुमारियों) द्वारा सत्य ज्ञान देकर एवं सहज राजयोग सिखलाकर ‘पवित्र बनो’ ‘राजयोगी बनो’ का ईश्वरीय संदेश दे रहे हैं। यह संदेश परमात्मा के अवतरण की सच्ची घटना है। प्रत्येक धर्म तथा अध्यात्म प्रेमी को अपने तीसरे दिव्य नेत्र से वर्तमान दुनिया की जर्जर हालत और शास्त्रों में वर्णित कलियुग के अन्त और सत्ययुग के आदि चिह्नों को पहचान कर मनन कर लेना चाहिए। आज सभी लोगों को अन्तर्मन से यही महसूस हो रहा है कि यह कौन सा युग चल रहा है? क्योंकि आज के संदर्भ में घटनेवाली घटनाओं ने मानवता और दानवता के भेद को भी नष्ट कर दिया है। मनुष्य अज्ञानता की अंधेरी रात में अपने विवेक का इस्तेमाल केवल केवल विध्वंसक प्रवृत्तियों और अकल्याण के लिए कर रहा है।

शिवरात्रि पर सच्चा उपवास यही है कि हम परमात्मा शिव से बुद्धियोग लगाकर उनके समीप रहें। उपवास का अर्थ ही है कि उप+वास अर्थात् समीप रहना। जागरण का सच्चा अर्थ भी काम, क्रोध आदि पांच विकारों के वशीभृत होकर अज्ञान रूपी कुम्भकरण की निद्रा में सो जाने से स्वयं को सदा बचाये रखना है क्योंकि यहां स्थूल निद्रा की बात नहीं है। यदि व्यक्ति स्थूल निद्रा में हो तो उसको कोई भी जगा सकता है परन्तु अज्ञान निद्रा में सोये व्यक्ति को केवल परमात्मा ही उठाता है। इसलिए शिवरात्रि के पर्व पर जागरण का महत्व है। तो आइये, हम सब इस आध्यात्मिक महत्व को जानकर शिवरात्रि को सार्थक मनायें।

A close-up portrait of Sri Sri Radhanath Swami, a spiritual leader with a long, flowing white beard and a red turban. He is looking slightly to the right with a gentle expression.

**मस्तिष्क से सारी चेतना हृदय
की तरफ प्रवाहित होनी चाहिए**

स्वतंत्र वार्ता, हैदराबाद

आदमी। कहीं बड़े गहरे अचेतन में
छुपा भाव है, वही प्रकट हो गया है।
इसीलिए इतनी जल्दी भरोसा कर
लिया बिना एक बार भी पूछताछ
किए। और दूसरी तरफ विनोबा
जैसे लोग हैं, वे कह रहे हैं: हरि-
नाम जपते रहना। एक तरफ
मोरारजी देसाई हैं, वे कहते हैं:
तैयारी करो, अरथी बांधो, राम-नाम
सत है! एक तरफ राम-नाम सत
करवाने वाले लोग हैं, एक तरफ
कह रहे हैं: हरि-नाम जपते रहना!
सस्ती बातें! प्रेम को उपलब्ध होना
है तो मस्तिष्क से सारी चेतना हृदय
की तरफ प्रवाहित होनी चाहिए।

यह बड़ी क्रांति है, रूपांतरण है।
यह कोई छोटा काम नहीं है। यह
बड़े से बड़ा काम है जो आदमी
जीवन में कर सकता है। यह बड़ी
से बड़ी चुनौती है। चेतना मस्तिष्क
में जाकर अटक गई है। क्योंकि
तुम्हारा सारा शिक्षण, तुम्हारे स्कूल,
तुम्हारे विद्यालय, तुम्हारे
विश्वविद्यालय, तुम्हारा समाज,
संस्कृति, सभ्यता, सबका एक ही
आग्रह है कि चेतना को मस्तिष्क में
ले जाओ। तो गणित सिखाओ, तर्क
सिखाओ, भौगोल-इतिहास सिखाओ—
सब सिखाओ, एक प्रेम भर नहीं
सिखाया जाता। (क्रमशः)

**पति-पत्नी के बीच भरोसा नहीं होगा तो
रिश्ता ज्यादा दिनों तक टिक नहीं पाएगा**

8 मार्च को शिवात्रि है और इस दिन शिव जी की पूजा के साथ ही उनकी कथाएं पढ़ने-सुनने की भी परंपरा है। शिव जी कहानियें में छिपे संदेश को जीवन में उतार लिया जाए तो हमारी सभी समस्याएं खत्म हो सकती हैं जानिए एक ऐसी कथा, जिसमें बताया गया है कि पति-पत्नी के बीच भरोसा नहीं होगा तो क्या हो सकता है...गमायण में रावण ने देवी सीता का हरण कर लिया था। श्रीराम लक्ष्मण के साथ सीता की खोज में जंगल-जंगल भटक रहे थे। जब ये घटना हो रही थी, उस समय शिव जी और देवी सती राम कथा सुनकर लौट रहे थे। शिव जी ने दूर से ही श्रीराम को देख लिया। शिव जी श्रीराम को अपना आराध्य देव मानते हैं, इसलिए उन्होंने दूर से ही राम जी को प्रणाम किया।



प्रणाम करते हुए कहा कि देवी आप अकेले इस बन में क्या कर रही हैं, शिव जी कहां हैं? ये बात सुनते ही सती समझ गई कि ये सच भगवान ही हैं। देवी को अपनी गलती का अहसास हो गया था। देवी लौटकर शिव जी के पास पहुंच गई। शिव जी ने देवी को देखकर पूछा कि आप आ गईं, क्या आपने राम जी की परीक्षा ले ली थी। शिव जी के इस प्रश्न पर सती ने

शिव जी का इस प्रश्न पर सत्ता न झूट बोल दिया कि मैंने भगवान् राम की परीक्षा नहीं ली, मैं भी उन्हें प्रणाम करके लौट आई हूं। शिव जी को सती का स्वभाव मालूम था कि देवी इतनी आसानी से किसी बात भरोसा नहीं करती है। शिव जी ने ध्यान प्रसग का साख

नहा करता ह। शव जा न ध्यान।

विजया एकादशी व्रत आज

सबसे पहले श्रीराम और उनकी सेना ने किया ये व्रत, इस व्रत के बाद उन्हें मिली लंका पर जीत

फाल्युन महीने के कृष्णपक्ष के 11वें दिन विजया एकादशी व्रत होता है। जो इस बार 6 मार्च को है। ये व्रत सबसे पहले भगवान राम ने किया था। विजया एकादशी व्रत में भगवान विष्णु की विधि-विधान से पूजा की जाती है। इस एकादशी का नाम विजया एकादशी है। माना जाता है कि इस दिन भगवान विष्णु हैं। दुश्मनों पर भी जीत मिलती है। इस दिन सूर्योदय से पहले उठकर पानी में गंगाजल और तिल मिलाकर नहाना चाहिए। फिर उगते सूरज को अर्घ्य देने के बाद एकादशी व्रत करने का संकल्प लेना चाहिए। इसके बाद मंदिर में जाकर भगवान विष्णु के दर्शन करने चाहिए। तुलसी और पीपल के पेड़ में उत्तम उपासना करें। ये तीन शीर्षक उपासनाएँ।

को पूजा करने और व्रत रखने से सभी काम पूरे होते जल चढ़ाकर पारक्रमा कर। घो का दापक लगाए।



एक ही फोन नंबर से चलाते हैं कई अकाउंट तो हो जाएं सावधान, आरबीआई करने जा रही है बदलाव

नई दिल्ली, 5 मार्च (एजेंसियां)। क्या आप भी एक से ज्यादा बैंक अकाउंट रखते हैं? अगर हाँ तो ये खबर आपके काम की है। जब भी आप बैंक में अकाउंट खुलवाने के लिए जाते हैं तो आपसे एक केवाइसी फॉर्म भरवाया जाता है। जिसमें अकाउंट संबंधित जानकारी जानकारी और ग्राहकों की सभी जानकारी होती है। ऐसे में आप आप एक से ज्यादा अकाउंट रखते हैं और उन्हें एक ही मोबाइल नंबर से लिंक किया है तो आपको बैंक नंबर से करने हैं। किन पर लागू होगा नियम?



अरबीआई बैंकों के साथ मिलकर केवाइसी नियमों को सख्त कर सकती है। मोड़िया रिपोर्ट के मुताबिक, बैंक अपने रिपोर्ट के मुताबिक, बैंकों की वरिंगेटरेशन के लिए एक एक्स्ट्रा नंबर से लिंक किया है तो आपको बैंक नंबर से करने हैं। किन पर लागू होगा नियम?

मोड़िया रिपोर्ट के मुताबिक, बैंकों के इस नियम का असर एक ही नंबर से जाइंट अकाउंट, मल्टीपल अकाउंट होल्डर्स पर लागू होगा। उन्हें इसके लिए एक अन्य नंबर केवाइसी फॉर्म में दर्ज करना होगा। ग्राहकों को टाइट

अकाउंट के मामले में भी ऑलटरेन्ट नंबर दर्ज करना होगा। वित्त सचिव टीवी सोमानाथन के नेतृत्व में एक समिति पूरे फाइनेंशियल सेक्टर में इंटरेंप्रेनरों के वेबाइसी मानन्दडों को मानकीकृत और सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है। इस कदम का उद्देश्य फिनेटक कंपनियों द्वारा केवाइसी मानन्दडों में डील के बारे में चित्ताओं को दर्श करना है, जिससे इन्वेस्टरों के लिए जीविंग बढ़ सकता है।

इस काम में मिलिंग मदद

मामले की जानकारी रखने वाले

एक वरिष्ठ बैंक अधिकारी ने

इकोनोमिक टाइम्स से कहा,

जाइंट अकाउंट के लिए पैन,

समेकित और निर्दिष्ट

उपयोगकर्ताओं के सामने प्रस्तुत

करता है।

जैसे में डीलरों लेवल सेकेंडरी

बैंकों के साथ मिलकर करने के लिए

काम कर रही है।

जैसे एक बैंक और एक अन्य बैंक

जैसे एक बैंक और एक

मालदीव को मुफ्त सैन्य सहायता देगा चीन

माल, 5 मार्च (एजेंसियां)। चीन ने सोमवार को मालदीव के साथ रक्षा सहयोग बढ़ावे को लेकर समझौता किया है। इसके तहत चीन मालदीव के साथ द्विपक्षीय रिश्तों को और बेहतर करने के लिए उसे मुफ्त सैन्य सहायता देगा। यह समझौता ऐसे समय हुआ है जब मालदीव की मुड़ज़्ज़ु सरकार देश से भारतीय सैनिकों को निकाल रही है।

मालदीव के रक्षा मंत्री मोहम्मद मातृभून ने चीन के अंतर्राष्ट्रीय सैन्य सहयोग डिपार्टमेंट के अधिकारी में जर जनरल झांग बाओकून से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच रक्षा समझौते पर सहमति हुई। हालांकि, इस डॉल देश से जुड़ी काई जानकारी समाने नहीं आ रही है। इस बीच मालदीव के प्रधानमंत्री के मुठाकिं चीन में नाम नहीं आ रही है।

इससे पहले 29 मई को मालदीव में भारतीय सैनिकों को रिप्लेन करने के लिए टोक्नकल कपिंगों को पहली बार मालदीव पहुंच गया था। भारत के विदेश मंत्री ने इसका अधिकारी को भारतीय सैनिकों की जगह नाम नहीं आ रहा है। इस दौरान दोनों देशों के बीच रक्षा समझौते पर सहमति हुई। हालांकि, इस डॉल देश से जुड़ी काई जानकारी समाने नहीं आ रही है। इस बीच मालदीव के प्रधानमंत्री के मुठाकिं चीन में नाम नहीं आ रही है।



दोनों देशों ने रक्षा समझौता साझेन किया, 10 मई तक मालदीव छोड़ देंगे भारतीय सैनिक

आईपीएल से पहले धोनी ने दिए नए रोल के संकेत

सोशल मीडिया पर लिखा- सीजन और नई भूमिका के लिए इंतजार नहीं कर सकता

नई दिल्ली, 5 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और आईपीएल फ्रैंचाइजी चेन्नई सुपर किंग्स के मौजूदा कैप्टन एमएस धोनी ने अपने फेसबुक अकाउंट पर एक दिलचस्प अपडेट किया।

एमएस धोनी ने इस पोस्ट में लिखा, नए सीजन और नई भूमिका के लिए इंतजार नहीं कर सकता। बने रहें।

सीज़न के नए आईपीएल की तैयारियां जारी की

डिफोर्डिंग चैपियन चेन्नई सुपर किंग्स ने मौजूदा सीजन की तैयारियां शुरू कर दी हैं। चैपेंस स्टेडियम में शनिवार को फ्रैंचाइजी का ट्रेनिंग कैप्ट शुरू हो गया है। तेज गेंदबाज दीपक चाहर सहित आशा दर्जन प्लेयर्स इस कैप का हिस्सा हैं, जबकि ट्रूट्राज गायकवाड चेन्नई पुरुष चुके हैं।

हालांकि, धोनी के पहुंचने की पुष्टि नहीं हो सकी है। धोनी कुछ



दिन पहले जामनगर में साक्षी के साथ मुकेश अंबानी के सबसे छोटे बैटमैन अंबानी की प्री-वेंडिंग से रेप्रेनी में देखा गया था।

22 मार्च से शुरू होगा मौजूदा सीजन, पैमैच सीज़न का

आईपीएल का मौजूदा सीजन 22 मार्च से शुरू होगा।

डब्ल्यूपीएल-2 में आरसीबी की वापसी

लगातार दो मुकाबले हारने के बाद यूपी वॉरियर्ज को 23 रन से हराया, मंधाना और पेरी के अर्धशतक

बैंगलुरु, 5 मार्च (एजेंसियां)। डब्ल्यूपीएल-2 में लगातार दो मैच हारने के बाद रोयल चैलेंजर्स बैंगलुरु ने शनिवार वापसी करते हुए अपने पांचवें मुकाबले में यूपी वॉरियर्ज को 23 रन से हराया।

बैंगलुरु चिन्हान्वामी स्टेडियम में टॉप जीतकर यूपी वॉरियर्ज ने गेंदबाजी चुनी। आरसीबी ने बल्लेबाजी करते हुए 102 ओवर में 3 विकेट पर 198 रन बनाए। जवाब में यूपीडब्ल्यू 20 ओवर में 8 विकेट पर 175 रन ही बना सकी।

आरसीबी की कप्तान स्पृति मंधाना ने डब्ल्यूपीएल में अपना दूसरा अर्धशतक करते हुए अपने पांचवें मुकाबले में यूपी वॉरियर्ज को 23 रन से हराया।

बैंगलुरु चिन्हान्वामी स्टेडियम में टॉप जीतकर यूपी वॉरियर्ज ने गेंदबाजी चुनी। आरसीबी ने बल्लेबाजी करते हुए 102 ओवर में 3 विकेट पर 198 रन बनाए। जवाब में यूपीडब्ल्यू 20 ओवर में 8 विकेट पर 175 रन ही बना सकी।

आरसीबी ने किया आपनिंग में बदलाव, पावरप्ले का फायदा उठाया।

दो मैचों की हार के सिलसिले से



बाहर निकलने के लिए, आरसीबी ने सोफी डिवाइन की जाह पर एमएस मेघना को आपनिंग के लिए चुना। अंबानी की ओपनिंग में रोयल चैलेंजर्स बैंगलुरु ने शनिवार वापसी करते हुए अपने पांचवें मुकाबले में यूपी वॉरियर्ज को 23 रन से हराया।

मंधाना ने 80 रन की पारी खेली। आखिर में रुचा शोष ने शनिवार रुप से आक्रमकता दिखाते हुए 10 बॉल में 21 रन बनाए। सोफी डिवाइन 2 रन बना कर नाबाद रही।

पहले विकेट के बाद आई एलिसा

पेरिस ओलंपिक 2024: क्वालिफायर के पहले दौर में हारीं जैस्मिन

अभी भी छह मुकेबाज कोटा हासिल करने की दौड़ में



बस्टे अरसीजिओ, 5 मार्च (एजेंसियां)। विश्व ओलंपिक क्वालिफायर बॉक्सिंग टॉर्नामेंट में भारतीय मुकेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन का क्रम जारी है। दोपक बोरिया और नरेंद्र कुमार की हार के बाद रविवार की

देर रात राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता जैस्मिन लंबेरिया भी 60 भार वर्ष में पहले दीर्घी ही। बर्विंगम राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय मुकेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन का क्रम जारी है। दोपक बोरिया और नरेंद्र कुमार की हार के बाद रविवार की

हासिल किया है।

बर्विंगम कांस्य पदक जीतने वाली जैस्मिन को आपनिंग का दौड़ में बढ़ाया जाता है।

बर्विंगम राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय मुकेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन का क्रम जारी है। दोपक बोरिया और नरेंद्र कुमार की हार के बाद रविवार की

हासिल किया है।

बर्विंगम राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय मुकेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन का क्रम जारी है। दोपक बोरिया और नरेंद्र कुमार की हार के बाद रविवार की

हासिल किया है।

बर्विंगम राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय मुकेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन का क्रम जारी है। दोपक बोरिया और नरेंद्र कुमार की हार के बाद रविवार की

हासिल किया है।

बर्विंगम राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय मुकेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन का क्रम जारी है। दोपक बोरिया और नरेंद्र कुमार की हार के बाद रविवार की

हासिल किया है।

बर्विंगम राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय मुकेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन का क्रम जारी है। दोपक बोरिया और नरेंद्र कुमार की हार के बाद रविवार की

हासिल किया है।

बर्विंगम राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय मुकेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन का क्रम जारी है। दोपक बोरिया और नरेंद्र कुमार की हार के बाद रविवार की

हासिल किया है।

बर्विंगम राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय मुकेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन का क्रम जारी है। दोपक बोरिया और नरेंद्र कुमार की हार के बाद रविवार की

हासिल किया है।

बर्विंगम राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय मुकेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन का क्रम जारी है। दोपक बोरिया और नरेंद्र कुमार की हार के बाद रविवार की

हासिल किया है।

बर्विंगम राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय मुकेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन का क्रम जारी है। दोपक बोरिया और नरेंद्र कुमार की हार के बाद रविवार की

हासिल किया है।

बर्विंगम राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय मुकेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन का क्रम जारी है। दोपक बोरिया और नरेंद्र कुमार की हार के बाद रविवार की

हासिल किया है।

बर्विंगम राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय मुकेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन का क्रम जारी है। दोपक बोरिया और नरेंद्र कुमार की हार के बाद रविवार की

हासिल किया है।

बर्विंगम राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय मुकेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन का क्रम जारी है। दोपक बोरिया और नरेंद्र कुमार की हार के बाद रविवार की

हासिल किया है।

बर्विंगम राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय मुकेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन का क्रम जारी है। दोपक बोरिया और नरेंद्र कुमार की हार के बाद रविवार की

हासिल किया है।

बर्विंगम राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय मुकेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन का क्रम जारी है। दोपक बोरिया और नरेंद्र कुमार की हार के बाद रविवार की

हासिल किया है।

बर्विंगम राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय मुकेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन का क्रम जारी है। दोपक बोरिया और नरेंद्र कुमार की हार के बाद रविवार की

हासिल किया है।

बर्विंगम राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय मुकेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन का क्रम जारी है। दोपक बोरिया और नरेंद्र कुमार की हार के बाद रविवार की

हासिल किया है।

बर्विंगम राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय मुकेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन का क्रम जारी है। दोपक बोरिया और नरेंद्र कुमार की हार के बाद रविवार की

हासिल किया है।

बर्विंगम राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय मुकेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन का क्रम जारी है। दोपक बोरिया और नरेंद्र कुमार की हार के बाद रविवार की

हासिल किया है।

बर्विंगम राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय मुकेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन का क्रम जारी है। दोपक बोरिया और नरेंद्र कुमार की हार के बाद रविवार की

प्रजावाणी कार्यक्रम को जनता से मिल रही हैं शानदार प्रतिक्रिया

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मगलवार को प्रजा भवन में आयोजित महात्मा ज्योतिबा फुले के प्रजावाणी कार्यक्रम को जनता से शानदार प्रतिक्रिया मिली। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और अधिकारियों को अपनी समस्याएं बताई। कुल 2095 आवेदन पंजीकृत किये गये। इसमें राजस्व से संबंधित 458 आवेदन, राशन कार्ड के लिए 134 आवेदन, इंटिराम्स मकान के लिए 552 आवेदन और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग से संबंधित 333 आवेदन शामिल हैं। राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. प्रजा वाणी के विशेष अधिकारी चिन्ना रेड्डी, नगर निगम विभाग की निदेशक सुश्री दिव्या और अन्य अधिकारियों ने जनता से आवेदन प्राप्त किए और उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली। राज्य



ਕੇਸੀਆਰ ਕਿ ਗਫ਼ਨ ਜਾਂਚ ਹੋਣੀ ਚਾਹਿਏ : ਸਧਾਰਣ

हांगा बाहर : सुवायपुर

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी के प्रवक्ता बंडी सुधाकर गौड़ ने कहा कि बीआरएस पार्टी प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर का यह कहना कि पाच या छह महीने के बाद तेलंगाना में कांग्रेस की सरकार नहीं होगी, लोकतंत्र पर कुल्हाड़ी मारने जैसा है। मंगलवार को वैद्यनाला में एक ऐसा तार्ता में होलिते द्वा

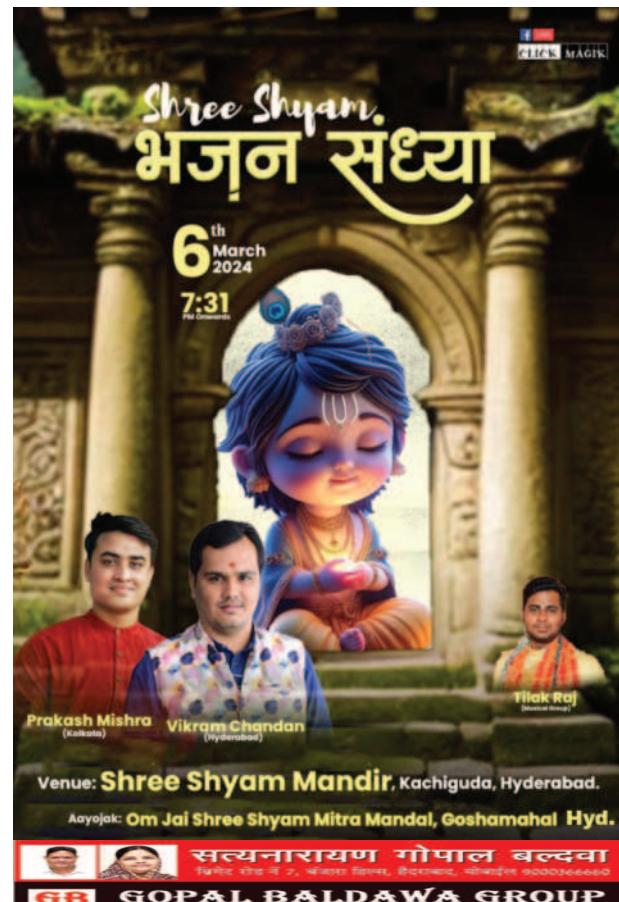
हंदराबाद में एक प्रेस वाला में बालत हुए उन्होंने केसीआर की व्यापक जांच की मांग की, जो सरकार गिराने के योजना बना रहे हैं। सुधाकर गौड़ ने कहा कि यह जानते हुए विद्युतीआरएस के कई विधायक पहले से ही कांग्रेस के संपर्क में हैं, केसीआर इस डर से निराशाजनक स्थिति में बार-बार बीयर बना रहे हैं कि वे पार्टी छोड़ देंगे। क्या होगा अगर पूर्व सीएम केसीआर यह भूल जाएं विलोकतत्र में केवल जनता का फैसला ही अंतिम होता है? उन्होंने लोगों को यह बताने की मांग की कि केसीआर कैसे कांग्रेस सरकार को गिरायेंगे जो लोकतांत्रिक तरीके से पूर्ण बहुमत के साथ बनी है और जनता वे उत्साह के साथ शासन कर रही है। उन्होंने याद दिलाया कि कांग्रेस वे संख्या बल और जनशक्ति को देखें तो तेलंगाना में कांग्रेस सरकार का कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। हालांकि, उन्होंने तरक दिया कि केसीआर अभी भी इस भ्रम में है कि वह सीएम हैं और आगे केसीआर अपने परिवार द्वारा अवैध रूप से कमाए गए पैसे से फिल्म बनाते हैं, तो वह उसमें सीएम की भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि केसीआर भ्रमित हैं क्योंकि वह तेलंगाना में मुख्यमंत्री रेवत रेड़ी के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार की लोकप्रियता को सहन नहीं कर सकते हैं। टीपीसीसी वे प्रवक्ता बंडी सुधाकर गौड़ ने सीएम रेवत रेड़ी से केसीआर की व्यापक जांच करने को कहा, जो सरकार गिराने की कांशिश कर रहे हैं। इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तुम्हें सम्मारेड़ी भी उपस्थित रहे।

कानूनी मुद्दे हैं, तो उन्हें हल किया जाएगा और चयनित उम्मीदवारों के साथ न्याय किया जाएगा। इसी तरह डीएससी-2008 के माध्यम से चयनित अध्यर्थियों ने जनता से नौकरी की ग़ुहार लगाई।

उहोंने मांग की कि सरकार, जिसने सत्ता में आने के तीन महीने के भीतर 30,000 लोगों को नौकरी की नियुक्ति के दस्तावेज दिए हैं, को उनकी समस्या पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देनी चाहिए और मेधावी उम्मीदवारों को द्वितीय श्रेणी शिक्षकों के रूप में नियुक्त करने के तेलंगाना राज्य उच्च न्यायालय के अंतरिम फैसले को लागू करना चाहिए। तेलंगाना राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष सिरिसिला राजेप्पा ने महात्मा ज्योतिबा फूले प्रजा भवन में राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. चिन्ना रेण्णी से मलाकात की।



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का तेलंगाना की राज्यपाल और पुडुचेरी के उपराज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौदरराजन, मुख्यमंत्री अनुमला रेवत रेड्डी, पोनम प्रभाकर, परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री आदि ने बेगमपेट हवाई अड्डे, हैदराबाद में गर्मजोशी से स्वागत किया गया।



पावरग्रिड, विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार के तहत एक "महारूप" सार्वजनिक क्षेत्र का उद्घाटन है, जो पूर्ण अंतर्र-राज्यीय पारेशन प्रणाली एवं राष्ट्रीय और क्षेत्रीय पावर ग्रिड के संचालन हेतु योजना, समन्वय, पर्यवेक्षण और नियंत्रण के अधिकार से साथ विद्युत पारेशन व्यवसाय में लगा हुआ है। डिजिटल क्षेत्र के तहत अपने टीटीसीसी (ट्रिप्ल आधारित प्रतिस्पद्यों बोली) परियोजना कार्यों के लिए पावरग्रिड, युवा, गतिशील और अनुभवी योग्यवर्ग से आवेदन आमंत्रित करता है। नियुक्ति विशुद्ध रूप से अस्थायी और अनुबंध के आधार पर होगी।

पद आईडी	पद का नाम	रिक्तियों की सं.	वर्गानुसार रिक्तियों का विवरण
1	फील्ड इंजीनियर (इलेक्ट्रिकल)	14	अना-06, अधिव (एनसीएल)-04, अजा-02, अजजा-01, ईडब्ल्यूएस-01, *पीडब्ल्यूडी-01 (एली-01), *भू-पू-से-02
2	फील्ड इंजीनियर (सिविल)	07	अना-04, अधिव (एनसीएल)-01, अजजा-01, ईडब्ल्यूएस-01
3	फील्ड सुपरवाइजर (इलेक्ट्रिकल)	12	अना-05, अधिव (एनसीएल)-03, अजा-02, अजजा-01, ईडब्ल्यूएस-01, *भू-पू-से-01
4	फील्ड सुपरवाइजर (सिविल)	07	अना-04, अधिव (एनसीएल)-02, अजा-01

(* पीडब्ल्यूडी-01 एवं भू-पू-से के लिए फैटिज आवश्यक)

उपरोक्त पदों के लिए आवेदन करने के इच्छुक उम्मीदवारों को सुनाव दिया जाता है कि विस्तृत विज्ञापन देखें जो हमारी वेबसाइट www.powergrid.in [Careers section → Job Opportunities → Openings → Regional Openings → Southern Region-1, Hyderabad Recruitment] पर उपलब्ध है।

ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करने के लिए विद्यों 08-03-2024 को सुबह 10:00 बजे से प्रारंभ होगी एवं प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 28-03-2024 को राति 11:59:59 बजे है।

पावर ग्रिड कॉर्पोरेट ऑफ इंडिया लिमिटेड

(भारत सरकार का एक उद्यम)

दक्षिण क्षेत्र पारेशन प्रणाली-

क्षेत्रीय मुख्यालय सं. 6-6-8/32 एवं 39/5ई-

कवाहीगुडा मेन रोड, सिंकेदाराम-500080

पंजीकृत कार्यालय : बी-9, कुम्भ इंस्टीट्यूशनल परिया, कट्टवारिया सराय, नई दिल्ली-110016

कॉर्पो. कार्यालय : सोदामिनी, प्लॉट सं. 2, सेटट-29, गुडगांव, हरियाणा-122001

www.powergrid.in, CIN:L40101DL1989038121GOI038121

SRLPR/Recr. Adv/03/Adv/08/2023-24/Adar

2nd Anniversary CELEBRATION

From 5th to 11th March

From Precious Moments — To Priceless Promises —

GUARANTEED LOWEST WASTAGE

NO MAKING CHARGES

HIDDEN CHARGES

(Inclusive of GST)

8-1-383/1, R.P. Road, Beside Mahboob College, Patny Circle, Secunderabad - 500 003 T.S.
Web : www.namishrree.com | Email : namishreejewels@gmail.com | Contact : 916 916 4417, 916 916 4427, 916 916 4437

**ALWAYS GUARANTEED LOWEST RATES
EXCLUSIVE COLLECTION OF DESIGNER JEWELLERY**

**ALWAYS GUARANTEED LOWEST RATES
EXCLUSIVE COLLECTION OF DESIGNER JEWELLERY**

**BUY ANY GOLD ORNAMENT &
GET SILVER OF EQUAL WEIGHT**

ABSOLUTELY FREE

Diamond Jewellery

Starting From : 52,000/- VVS Clarity & EF Colour

 HALLMARK JEWELLERY @ LOWEST RATES

**EXCLUSIVE DIAMOND JEWELLERY AVAILABLE
A PROMISE OF PERFECTION AND PURITY**

**EXCLUSIVE & WIDE RANGE OF
SILVER ARTICLES ALSO AVAILABLE**

